जीवन को हमेशा प्रतियोगिता में बनाए रखें

उदयपुर, । नारायण सेवा संस्थान में चल रहे त्रिदिवसीय अपनों से अपनी बात कार्यक्रम में दूसरे दिन दिव्यांग एवं उनके परिजनों से बातचीत में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने कहा कि वही जीवन सफल है जो हमेशा प्रतियोगिता में बने रहता है। मानव योनि में जन्म लेना बडा सौभाग्य है। इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। हमें स्वयं से प्रतियोगिता कर अपनी सुप्त प्रतिभा को जगाकर परिवार, समाज और राष्ट्र के कल्याण में उसका उपयोग करना है। कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रान्तों से निःशुल्क दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी एवं अत्याधुनिक कृत्रिम हाथ-पैर तथा कैलीपर लगवाने के लिए आए दिव्यांगजन व उनके परिजन भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का संस्कार चैनल के माध्यम से देशभर में सीधा प्रसारण किया । अग्रवाल ने कहा कि जो व्यक्ति अपनी कमजोरियों को पहचान कर उन पर नियंत्रण करते हुए आत्म-विश्वास के साथ चुनौतियों का सामना करते हैं, वे महापुरुष बन जाते हैं।

'आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की समस्या का समाधान पूरी तरह से होगा'

डूंगरपुर । बीएमएस के 70साल पूरे होने पर आयोजित गोष्ठी के दूसरे चरण में मुख्य अतिथि बाल विकास विभाग उपनिदेशक ने बीएमएस को अनुशासित संघठन बताते हुए इसके कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों की भी सराहना करते बोला कि कभी किसी गलत बात को लेकर दबाव नहीं बनाए

उन्होंने बताया कि ये जिला ग्रामीण पहाड़ी हे जिससे कई तरह की। मोबाइल नेट वर्किंग में दिक्कत आती हे जिसकी जानकारी मुझे हे और इस बात की किसी खामी के लिए किसी कार्यकर्ता का न तो मानदेय काटा जाएगा और न ही किसी कार्यकर्ता के खिलाफ कार्यवाही की जावेगी उप निदेशक ने कार्यकर्ताओं की विभिन्न काम करने की शिकायत पर बताया कि सरकार का कार्यकर्ताओं पर खूब विश्वास हे आप जमीन से जुड़ी हे ओर सरकार आपका ये काम देकर

■ **डूंगरपुर जिला ग्रामीण पहाड़ी हे जिससे कई तरह की मोबाइल नेट वर्किंग में दिक्कत आती हे जिसकी जानकारी मुझे है**

सम्मान करती है उन्होंने कार्यकर्ता से बोला कि जिस तरह अभी आप कार्यकर्ता और मैं अधिकारी हू उसी तरह विभाग के सचिव साहब की बैठक में मैं भी एक कार्यकर्ता की तरह होता हु और सचिव अधिकारी होते हे तब मै भी कार्यकर्ता की तरह आपकी समस्या को उनके सामने रखता हु और सरकार उस पर ध्यान भी देती हे

द्विवेदी ने कार्यकर्ता की सभी कठिनाइयों को बारीकी से समझा और एक एक बिंदु का जवाब दिया भवन मोबाइल रिचार्ज पोषाहार मानदेय भुगतान सभी पर संतोष पूर्ण जवाब दिया ऑर सरकार तक उन समस्या को बताने का आश्वासन दिया

बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष प्रकाश पंड्या ने उपनिदेशक को बताया कि कार्यकर्ता अकेली अपनी समस्या बता नही सकती हे और सुपरवाइजर उनकी समस्या को सुने बिना मानदेय काटने उनके खिलाफ कार्यवाही की धमकी देती हे तो उप निदेशक जी को खुद हर ब्लॉक में कार्यकर्ता के साथ बैठक कर चर्चा कर उनकी समस्या को समझ कर हल करना चाहिए न की धमका कर ईस पर उप निदेशक ने बताया कि किसी भी कार्यकर्ता का आज तक मानदेय काटा नही हे और बिना किसी ठोस कारण के भविष्य में भी नही काटा जावेगा सरकार की मंशा आपसे खूब ज्यादा हे क्योंकि आप जमीन से जुड़ी हर महिला के संपर्क में हे उनको समझा सकती है साथ ही आपको सुविधा देने पर भी विचार करती है

इस अवसर पर सागवाड़ा ब्लॉक अध्यक्ष रसीला जैन ने कुछ महिलाओ के रोजगार हेतु गुजरात जाने पर द्म4ष् करने में दिक्कत आने मोबाइल नेट नही आने रिचार्ज जेसी समस्या बताई जिस पर उपनिदेशक ने आपस में बैठ कर समस्या निवारण की बात कही उससे पूर्व जिलाध्यक्ष पार्वती भगोरा लक्ष्मी जैन रसीला जैन राजेश्वरी चौहान कमला मीणा 1 प्रभारी मांगीलाल पांचाल ने द्विवेदी का माला उपर्णा पहना कर स्वागत किया। जिला मंत्री मनीष अठावाल ने उनको समय देने आभार जताया।

टीबी रोगियों का बांटे पोषण किट

राजसमंद, । टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देते हुए उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने शनिवार को 2० टीबी रोगियों को पोषण किट वितरित किए। यह विशेष समारोह हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के तहत सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में आयोजित किया गया।

इस दौरान कुंभलगढ विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड, जिला प्रमुख रतनी देवी चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल, उपजिला प्रमुख सोहनी देवी गुर्जर, माधव चौधरी, सीएमएचओ डॉ हेमंत कुमार बिंदल, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ रामनिवास जाट और रेड क्रॉस सोसायटी के मानद सचिव ब्रजलाल कुमावत, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के डीपीसी तरुण कुमार श्रीमाली, डीपीपीएम मांगीलाल खटीक और एसटीएस अर्जुन कुमार यादव मौजूद थे। इन पोषण किटों का वितरण रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से किया गया, जिसमें सोसायटी के सभी सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

सार-समाचार

लहरिया उत्सव में महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया

उदयपुर, । औदुम्बर ब्राह्मण महासभा उदयपुर के तत्वावधान में उदयपुर में महिलाओं द्वारा लहरिया उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के हुआ। उत्सव में विशेष रूप से महिलाओं द्वारा पारंपरिक वस्त्र लहरिया साडी पहन कर नाचने गाने का आनंद लिया। कार्यक्रम का आयोजन महासभा के उपाध्यक्ष पूनम शर्मा द्वारा सभी महिलाओं के आग्रह पर सीमा द्विवेदी के यहां पर किया । महासभा के इस लहरिया महोत्सव में परंपरा, रंग और संस्कृति की सुंदर झलक देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण के साथ हुई,भगवान कृष्ण के भजनों के साथ ही महिलाओं द्वारा इस माहौल को कृष्णमय बना दिया, महिलाओं ने पारंपरिक लहरिया साडिया पहनकर उत्सव की शोभा बढाई। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं ने लोकगीतों और नृत्य के माध्यम से राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर और भी खास बना दिया। कार्यक्रम में पूनम शर्मा, सीमा द्विवेदी, योगिता परसाई,उमा दुबे,भावना दुबे, संध्या शर्मा, वंदना दुबे,सरिता शर्मा, गीता द्विवेदी, पुष्पा परसाई, मीनाक्षी शुक्ला, दुर्गा शुक्ला, दीपज्योति जोशी,ल्लेखा जोशी, प्रियंका शर्मा, सुरभि शर्मा,मीनू शर्मा,प्रीति शुक्ला,आशिका शुक्ला,लक्षिता दुबे द्वारा ने योगदान दिया।

कुत्तों के हमले से गाय का बछडा गंभीर घायल

राजसमंद, । जिला मुख्यालय के पास स्थित भाटोली गांव में शनिवार दोपहर को कुत्तों के झुंड ने एक गाय के बछडे पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में बछडा गंभीर रूप से घायल हो गया, इस दौरान गांव के कुछ युवाओं की तत्परता से उसकी जान बच गई। जानकारी के अनुसार भाटोली गांव के सरकारी विद्यालय के समीप 3-4 कुत्तों ने मिलकर एक बछडे पर हमला कर दिया, जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गया। बछडे के कान से अत्यधिक खून बह रहा था और उसके शरीर पर कई जगह गहरे घाव हो गए। इसी दौरान ग्रामीण मनीष देराश्री की नजर घायल बछडे पर पडी। उन्होंने अपने सहयोगी प्रिंस देराश्री और लक्की कुमावत के साथ मिलकर बछडे को कुत्तों के चंगुल से बचाया। तुरंत ही उन्होंने हेल्पलाइन नंबर 1962 पर सूचना दी और पशु एम्बुलेंस को मौके पर बुलाया। एम्बुलेंस आने के बाद घायल बछडे को तत्काल इलाज के लिए पशु चिकित्सालय भेजा गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

3 स्कूलों 122 गुरुजनों और 17 विद्यार्थियों का भाविप ने किया सम्मान

राजसमंद, । भारत विकास परिषद द्वारा शहर के तीन स्कूलों में श्रृंखलाबद्ध गुरु वंदन, छात्र-अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रकल्प प्रभारी प्रमोद सोनी ने बताया कि परिषद के संपर्क और संस्कार आयाम पर आधारित कार्यक्रम में शहर के विभिन्न विद्यालयों में भारत माता और प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद की छवि के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं वन्देमातरम गायन से शुरुआत कर गुरुजनों और मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान परिषद् के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। शाखा अध्यक्ष महेंद्र कोठारी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अनुभवी वक्ता द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से बेहतर भविष्य हेतु गुरु की महत्ता एवं जीवन में संस्कारों के महत्व पर बल देते हुए प्रोत्साहित किया गया और नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। सोनी ने बताया कि गायत्री विद्या मंदिर और धोइंदा उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य सहित 42 गुरुजनों का उपरणा, तिलक और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन एवं सम्मान किया गया, साथ ही 5 मेधावी विद्यार्थी सोमेश पालीवाल पुत्र ताराचंद पालीवाल, तरुण साल्वी पुत्र मदनलाल सालवी, संजय पालीवाल पुत्र दुर्गाशंकर पालीवाल, आदित्य पालीवाल पुत्र राजेश पालीवाल, कुंदनसिंह पुत्र भरतसिंह आसोलिया का तिलक श्रीफल, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान कर प्रोत्साहित किया। इसी प्रकार लक्ष्मीपत सिंघानिया उच्च माध्यमिक विद्यालय जेके ग्राम में आयोजित कार्यक्रम में 65 गुरुजन और 9 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

पेयजल झीलों में समा रहा है पशु मल

उदयपुर, । पिछोला, फतहसागर, बडी तालाब आदि महत्वपूर्ण पेयजल झीलों में पशु मल प्रवेश को रोकना सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी हैं। यह मांग रविवार को आयोजित झील संवाद में रखी गई। विद्या भवन पॉलिटेक्निक के प्राचार्य व जल विशेषज्ञ डॉ अनिल मेहता ने कहा कि पशु मल खासकर श्वान मल में ऐसे कई सूक्ष्मजीव है जो मानव शरीर में जाने पर गंभीर बीमारियां पैदा करते है और साधारण एंटीबायोटिक दवाइयों से खत्म नहीं होते हैं।

मेहता ने कहा कि श्वान जनित मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट बैक्टीरिया जन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। झील विकास प्राधिकरण के पूर्व सदस्य तेज शंकर पालीवाल ने बताया कि झीलों में कई स्थानों से श्वानो (कुत्तों) का मल मूत्र झील में प्रवेश कर पेयजल को प्रदूषित कर रहा है। झीलों के रुण में गाय भैंस के प्रवेश से उनका गोबर भी झीलों में समा रहा है। गांधी मानव कल्याण समिति के निदेशक नंद किशोर शर्मा ने कहा कि कई लोग अपने पालतू श्वान को झीलों पर लाकर मल मूत्र विसर्जन कराते है। यह पालतू श्वान मल भी बरसाती प्रवाह के साथ झीलों में समा रहा हैं ।

जनप्रतिनिधियों अधिकारियों ने रोपा एक पेड़ मां के नाम

उदयपुर, । हरियाली तीज के अवसर पर धरती को हरा भरा करने के पावन उद्देश्य के साथ जहां मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में जयपुर में राज्य स्तरीय वन महोत्सव आयोजित हुआ वहीं प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय वन महोत्सव में एक पेड मां के नाम लगाकर जनप्रतिनिधियों एवं आधिकारियों ने अपना कर्तव्य निभाया।

76 वाँ वन महोत्सव भुवाणा स्थित रत्नागिरी पहाडी पर मनाया गया जहां एक साथ 650 पौधों का रोपण किया। वन महोत्सव के अवसर पर आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने वन महोत्सव के आयोजन के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला। उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक फूल सिंह मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड मां के नाम अभियान से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के हरित भविष्य की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। जिले के प्रभारी सचिव श्री टी रविकांत ने कहा कि "मां के नाम एक वृक्ष, जीवन के नाम एक संकल्प" की टैगलाइन के साथ हरियालो राजस्थान की संकल्पना को मूर्त रूप दिया जा रहा है। समारोह को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर नमित मेहता ने कहा कि शहर के मध्य स्थित रत्नागिरी पहाड़ी की हरियाली सभी का मन मोह लेती है। इस पर स्मृति वन विकसित किया जाना चाहिए जहां आमजन अपने प्रिय जनों की याद एवं शुभ अवसर पर उनके नाम का पौधारोपण कर सके। उदयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त राहुल जैन ने अपने संबोधन में कहा कि पहले यह पहाड़ी बंजर थी जिसे एक ऑक्सीजन पॉकेट के रूप में विकसित किया गया है। कार्यक्रम में उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, प्रभारी सचिव टी रविकांत, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवल रमानी, जिला कलेक्टर नमित मेहता, यूडीए आयुक्त श्री राहुल जैन, जिला परिषद सी ओ रिया डाबी, उपवन संरक्षक मुकेश सैनी व अजय चित्तौड़ा, यूडीए सचिव हेमेंद्र नागर उडिया के अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजीव शर्मा अधीक्षण अभियंता अनित माथुर, भुवाणा सरपंच मोहनलाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी और स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

वन नेशन, वन इलेक्शन भारत के लिए स्पीड ब्रेकर हटाने जैसा है : सुनील बंसल

उदयपुर । 'वन नेशन वन इलेक्शन भारत के लिए स्पीड ब्रेकर हटाने जैसा है। यदि यह व्यवस्था लागू होती है तो 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा। उक्त बात भाजपा के भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने रविवार को यहां सुखाडिया रंगमंच पर भाजपा शहर जिला द्वारा आयोजित संगोष्ठी में कही।

बंसल ने सभागार कार्यकर्ताओं एवं नागरिक गणों को संबोधित करते हुए कहां कि वन नेशन, वन इलेक्शन भारत के लिए स्पीड ब्रेकर हटाने जैसा है। उन्होंने कहा कि यदि यह व्यवस्था लागू होती है, तो 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने वन नेशन, वन इलेक्शन (एक देश, एक चुनाव) को समय की जरूरत बताते हुए कहा कि बार-बार होने वाले चुनावों से देश की विकास गति बाधित होती है और आर्थिक संसाधनों पर भारी बोझ पडता

■ **उक्त बात भाजपा के भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने रविवार को यहां सुखाडिया रंगमंच पर भाजपा शहर जिला द्वारा आयोजित संगोष्ठी में कही**

है। उन्होंने कहा कि अगर पूरे देश में एक साथ चुनाव होते हैं,तो इससे राजनीतिक स्थिरता बढेगी और प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होगी।

बंसल ने आंकडों का हवाला देते हुए बताया कि वर्तमान में भारत में एक लोकसभा चुनाव पर करीब 1,35,00 करोड रुपये खर्च होते हैं, जबकि पूरे चुनावी चक्र में यह राशि 4-5 लाख करोड रुपये तक पहुंच जाती है। उन्होंने कहा कि यदि विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ हों, तो खर्च में भारी कटौती की जा सकती है। एक वोट डालने पर सरकार 1400 रुपये खर्च करती है। जब हर साल कोई न कोई चुनाव होता है, तो यह खर्च कई गुना बढ जाता है। राजनीतिक पार्टियों के अपने चुनावी खर्चे अलग होते हैं, जिससे संसाधनों पर और भी अधिक दबाव पडता है। बंसल ने कहा कि बार-बार चुनाव होने से सरकारों को हर छह महीने में यह साबित करना पडता है कि वे अस्तित्व में हैं। इससे नीति-निर्माण और विकास कार्यों पर नकारात्मक असर पडता है। मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री लगातार चुनावी अभियानों में व्यस्त रहते हैं, जिससे योजनाएं जमीनी स्तर तक सही ढंग से नहीं पहुंच पातीं। इस बार के लोकसभा चुनाव में 1 करोड से अधिक लोगों की ड्यूटी लगी और इसमें 3 महीने का समय खर्च हुआ। यह प्रशासनिक स्तर पर एक बडी चुनौती बन गया है। भाजपा नेता ने तर्क दिया कि यदि देश में एक साथ चुनाव होते हैं, तो सरकारें अपने पूरे कार्यकाल में ठोस नीतिगत फैसले ले सकेंगी। बार-बार चुनाव होने से कई बार कठोर निर्णय लेने की स्थिति नहीं बन पाती।

चैम्बर ऑफ कॉमर्स की बैठक में नए भवन, व्यापारिक समस्याओं पर चर्चा

उदयपुर, । चेंबर ऑफ कॉमर्स उदयपुर डिवीजन की महत्वपूर्ण कार्यकारिणी बैठक पारस सिंघवी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में चेंबर की नई ईमारत, व्यापारिक समस्याओं, डायरेक्टरी प्रकाशन और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में अध्यक्ष सिंघवी ने बताया कि करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से तैयार नई चेंबर बिल्डिंग अब लोकार्पण के लिए पूर्णतः तैयार है। इसके लोकार्पण हेतु लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को आमंत्रण पत्र भेजा गया है, जिनका संभावित आगमन अगले माह प्रस्तावित है।

कार्यकारी अध्यक्ष हिम्मत बडाला ने बताया कि चेंबर द्वारा हाल ही में आयोजित 'उदयपुर चैंबर क्रिकेट कप' की सफलता पर कोर कमेटी के सभी सदस्यों का सम्मान किया गया। महामंत्री राज मल जैन द्वारा टूर्नामेंट के व्यय का

■ **नए भवन लोकार्पण का लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भेजा आमंत्रण**

लेखा-जोखा कार्यकारिणी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रचार प्रचार प्रसार मंत्री राकेश जैन ने बताया कि विभिन्न जोनों के प्रभारी, जोन के क्षेत्र एवं इनके तहत आने वाले संगठनों की घोषणा की गई। अजय पोरवाल ने यह विषय रखा भी कि अक्रियाशील व्यापार संगठनों की सदस्यता समाप्त करने का प्रस्ताव साधारण सभा में लाया जाएगा। महामंत्री राज मल जैन ने बताया कि उदयपुर के 135 व्यापारिक संगठनों एवं 115 निजी सदस्यों के व्यवसाय की जानकारी की बहुउद्देशीय मल्टीकलर व्यापारिक डायरेक्टरी प्रकाशित की जाएगी, जिसके संयोजक राकेश जैन को नियुक्त किया गया है। बैठक में सलाहकार गणेश डागलिया,सलाहकार धीरेंद्र सचान, संरक्षक इंदर सिंह मेहता, संरक्षक अंबालाल बोहरा, कार्यकारी अध्यक्ष हिम्मत बडाला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश चावत, उपाध्यक्ष सुखलाल साहू, महामंत्री राजमल जैन,कोषाध्यक्ष भंवरलाल सुवालका, मंत्री अजय पोरवाल, मंत्री आलोक पगारिया,प्रचार प्रसार मंत्री राकेश जैन, सांस्कृतिक मंत्री संजय भंडारी, कार्यालय मंत्री कुंदनमल समोता,सदस्य शंभू जैन, बृजलाल सोनी,सूर्य प्रकाश खमेसरा, हरीश चावला, अशोक शाह, खूबी लाल पालीवाल, कृष्णकांत कुमावत, गजेंद्र जैन, कैलाश सोनी, अक्षय जैन, देवनारायण धायभाई, जगदीश मेनारिया, नितिन सेठ, शिव शंकर साहू, मनोज जैन, झमक लाल जैन सहित कई वरिष्ठ सदस्य, संरक्षकगण व पदाधिकारी मौजूद रहे।

उदयसागर चौराहे तक निकाली कावड़ यात्रा

उदयपुर, । ग्राम पंचायत बिछडी उदयसागर चौराहे से रविवार को कावड यात्रा निकाली गई। यह कावड यात्रा उदयसागर झील के समीप स्थित उदश्याम मंदिर से रवाना होकर उदयसागर चौराहे पर पहुंची। यहां पर शिव मंदिर में सैंकडो कावडियों ने भोलेनाथ जलाभिषेक किया।

उदयसागर चौराहा निवासी शंभू सिंह झाला ने बताया कि कावड यात्रा में महिलाओं ने बढ चढकर भाग लिया। कांवड यात्रा में कांवडियों ने उदयसागर झील के समीप उदयश्याम मंदिर से भरा गया। इस कावड यात्रा के लिए गंगुकुंड से जल लाया गया। कावड यात्रा में बच्चे भी कावड लेकर चलते दिखाई दिए। सभी ने भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। इस मौके पर देवेन्द्र सिंह झाला, भगवान प्रजापत, ओमप्रकाश खटीक, शैलेन्द्र सिंह झाला सहित कई लोग मौजूद थे।

239 कृषक प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महा अभियान से लाभान्वित

डूंगरपुर, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं प्रदेश मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में राज्य में जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होने से अंतिम पंक्ति में बैठा गरीब और वंचित व्यक्ति भी लाभान्वित हो रहा है। किसानों के हितों के लिए पूरी गंभीरता से राज्य सरकार द्वारा उठाये जा रहें कदम सुदूर राजस्थान के दक्षिण में अवस्थित जनजाति बाहुल्य जिला डूंगरपुर में कृषकों के लिए वरदान साबित हो रहें है।

जिले में भौगोलिक विषमताओं एवं पहाडी क्षेत्र के कारण यहां के लघु एवं सीमान्त कृषकों के सम्मुख कम कृषि भूमि होना, पानी की कम उपलब्धता, सिंचाई के लिए वर्षा के पानी पर निर्भरता, उपलब्ध पानी को समय पर सिंचाई के लिए बिजली की समय पर उपलब्धता आदि अनेक गंभीर चुनौतियां है, जिसे भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाधान करते हुए कृषक वर्ग को संबंल प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में भारत सरकार द्वारा कृषकों की चुनौतियों को कम कर राहत प्रदान करने तथा निर्बाध बिजली

■ **मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल से 229 जनजाति कृषकों को 45 हजार का अनुदान तथा टीएडी द्वारा आर्थिक सहयोग से निःशुल्क मिला लाभ**

की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी पहल करते हुए प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (पी.एम.कुसुम) योजना डूंगरपुर जिले के किसानों के लिए हितकारी सिद्ध हो रही है।

प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के द्वारा इस योजना का प्रदेश में प्रभावी क्रियान्वयन कर गरीब एवं वंचित वर्ग के किसानों को भी लाभान्वित करने हेतु विशेष पहल करते हुए उद्यानिकी आयुक्तालय के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग श्रेणी के किसानों के लिए 3 एच.पी. एवं 5 एच.पी प्रति सौर ऊर्जा पम्प पर 45 हजार रूपये का अनुदान प्रदान कर बडी राहत प्रदान की है, वहीं अनुसूचित जनजाति वर्ग श्रेणी के किसानों के लिए शेष राशि का भी जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्रदान कर योजनान्तर्गत पूर्ण निःशुल्क लाभ प्रदान किया गया है, जिससे जिले के किसानों के लिए यह योजना वरदान साबित हुई है। उद्यानिकी विभाग डूंगरपुर के उप निदेशक डॉ विकास चेचानी ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महा अभियान(पी.एम.कुसुम) योजना में कम्पोनेंट बी के तहत कृषकों के खेतो पर सौर उर्जा संयत्र की स्थापना उद्यान विभाग द्वारा करवाई जा रही है। इस योजना से कृषकों को खेतो पर सिंचाई के लिए बिजली पर निर्भरता कम होने से खेतों में फसल के लिए आवश्यक सिंचाई समय पर और पर्याप्त हो सकेंगी। जिससे पैदावार में बढ़ोतरी होने से किसान को आर्थिक लाभ होगा। उन्होंने बताया कि जिले में 3 एच.पी. एवं 5 एच.पी. के सौर उर्जा संयंत्र की मांग ही ज्यादा रहती है क्योंकि जिले में खेतों की जोत का आकार बहुत कम है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत जिले में वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 239 कृषकों के यहां सौर उर्जा संयंत्र की स्थापना की गई। इसमें से सामान्य श्रेणी के नौ कृषकों एवं अनुसूचित जाति श्रेणी के एक कृषक द्वारा कृषक हिस्सा राशि जमा करवाते हुए सौर उर्जा संयंत्र स्थापित करवाया गया।

अनुसूचित जाति वर्ग के किसान को राज्य सरकार द्वारा उद्यानिकी आयुक्तालय के माध्यम से 45 हजार का अनुदान प्रदान किया गया वहीं अनुसूचित जनजाति वर्ग श्रेणी के 229 किसानों को राज्य सरकार द्वारा उद्यानिकी आयुक्तालय द्वारा प्रति सौर ऊर्जा पम्प लगाने पर 45 हजार रूपये अनुदान तथा शेष राशि जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के माध्यम से प्रदान कर आर्थिक संबंल देकर पूर्ण रूप से निःशुल्क लाभान्वित किया गया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जनजाति श्रेणी के कृषकों की कृषक हिस्सा राशि जनजाति क्षेत्रिय विकास विभाग उदयपुर से प्राप्त राशि से जमा करवाई गई है अर्थात अनुसूचित जनजाति वर्ग श्रेणी के कृषकों के खेतो पर 3 एच.पी एवं 5 एच.पी. के सौर उर्जा संयत्र स्थापना हेतु किसी भी प्रकार की कृषक हिस्सा राशि नही ली गई है।